पत्रांकः– 14/सी 12– 15/15 –552
शिक्षा विभाग,
बिहार, पटना।

निबंधित/फैक्स/ई-मेल

प्रेषक,

शिवेश रंजन,
विशेष कार्य पदाधिकारी, उच्च शिक्षा।

सेवा में,

कुलसचिव,
पटना विश्वविद्यालय, पटना।

पटना, दिनांक 09/04/2015

विषयः– बिहार विधान परिषद् के 179वें सत्र में श्री कृष्ण कुमार सिंह–02, स०वि०प० द्वारा पूछे जाने वाले तारांकित प्रश्न संख्या–ई–121 की कंडिकावार उत्तर सामग्री/प्रतिवेदन पूरक सामग्री सहित उपलब्ध कराने के संबंध में।

महाशय,

उपर्युक्त विषयक बिहार विधान परिषद् के 179वें सत्र में श्री कृष्ण कुमार सिंह–02, स०वि०प० द्वारा पूछे जाने वाले तारांकित प्रश्न संख्या–ई–121 की छायाप्रति संलग्न करते हुए कहना है कि अनुलग्नक में अंकित तथ्यों पर सरकार की ओर से कंडिकावार उत्तर सामग्री/प्रतिवेदन पूरक सामग्री सहित विभाग को अविलम्ब विशेष दूत/फैक्स के माध्यम से उपलब्ध कराया जाय।

इसे सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाय।

विश्वासभाजन

(शिवेश रंजन)
विशेष कार्य पदाधिकारी,
उच्च शिक्षा

अनुलग्नकः–यथोक्त।

ज्ञापांक 1993(5) (प्र०)-वि०प०

बिहार विधान परिषद् सचिवालय

सेवा में

शिक्षा विभाग

पटना, दिनांक 6/4/2015 201

श्री कृष्णा कुमार सिंह-2 स०वि० प० द्वारा बिहार विधान परिषद् के 179 वें सत्र में पूछा जानेवाला तारांकित प्रश्न संख्या ई0-121 जिस रूप में सभापति द्वारा स्वीकृत किया गया है संवेष्ठित है।

इन तारांकित प्रश्नों को सदन के कार्यक्रम पर लाये जाने की तिथि शीघ्र ही सूचित की जायेगी।

विशेष कार्य पदाधिकारी प्रकोष्ठ उच्च शिक्षा

क्रम संख्या 98 दिनांक 08/April/15

1330 8.4.15

अवर-सचिव,

बिहार विधान परिषद्।

बिहार विधान परिषद् के 179 वें सत्र के लिए श्री कृष्णा कुमार सिंह-11,स0 वि0प0 से तारांकित प्रश्न प्राप्त।

ई0-121 क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि :-

(क) क्या यह सही है कि पटना विश्वविद्यालय सूबे का सबसे पुराना एवं देश का सातवां सबसे पुराना विश्वविद्यालय है ;

(ख) क्या यह सही है कि लंबे समय से विश्वविद्यालयों में प्राध्यापकों की नियुक्ति न होने के कारण प्राध्यापकों की घोर कमी से उच्च शिक्षा की स्थिति दय-नीय हो गयी है ;

(ग) क्या यह सही है कि बीएन कॉलेज, पटना के छः विभाग मात्र एक एक स्थायी प्राध्यापक के भरोसे चल रहे है ;

(घ) क्या यह सही है कि इस कॉलेज में करीब पांच हजार छात्र है, लेकिन उन्हें पढ़ाने के लिए मात्र 52 स्थायी प्राध्यापक है जबकि प्राध्यापकों के 79 पद खाली है ;

(ङ) यदि उपरोक्त खंडों का उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार उच्च शिक्षा की स्थिति सुधारने हेतु विश्वविद्यालयों में प्राध्यापकों की नियुक्ति करना चाहती है यदि हां तो कब तक ?